

# **GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA, BILASPUR (C.G.) DEPARTMENT OF COMMERCE**

## ***A REPORT ON STUDENT INDUCTION PROGRAMME FOR FIRST- YEAR B.com & M.com STUDENTS FOR THE ACADEMIC YEAR 2023-24***

Department of Commerce, GGV, Bilaspur organised a one-day induction program for the fresh candidates of B.com & M.com. The program started by lighting the lamp of Maa Saraswati and Guru Ghasidas.

**Head of the Department, Prof. Dr. Bhuvana Venkatraman**, welcomed the Vice-Chancellor Guru Ghasidas Viswavidyalaya, Dean of the School of Studies of Commerce and Management, all speakers of the induction Program, teachers and students. The program's main objective was to make the students feel comfortable in their new environment, open them up, set a healthy daily routine, create bonding between faculty and students, sensitivity and understanding of the self, people around them, and society at large.

**Dean Prof. Ashok Mishra** narrated about Minor- Major Subjects, Skill Development, and mentor-mentee relationships under NEP Regulation 2020.

**Registrar Prof. Manish Srivastava** said that the Commerce Department has been working since the university was established in the year 1983; many students from here are working on various posts in the country and abroad and making the university's name proud. At the same time, the Registrar expressed his expectations to the newly admitted students.

**Vice Chancellor Prof. Alok Kumar Chakrawal**, explained to the students the power of the tongue, when, where and how much it should be used and he also inspired them to become entrepreneurs. He said if a commerce student reads the Company Act 2013, he should come to form a company. If a student reads about the security market and portfolio management (SAPM), he should know how to invest money in the securities market. Along with this, he also shared his experience with the students on how to earn money. He said that your thinking ability matters more than capital for any business. Vice Chancellor laid more emphasis on doing business ethically and honestly so that profit could be earned from the market in the long run.

**Prof. Seema Rai from IQAC** explained the concept of Multiple Entry-Exit, Certificate, Diploma and Degree programs, which is required as per NEP 2020.

**Prof. Anupama Saxena, head of the Internal Complaints Committee (ICC),** cautioned all students about any sexual harassment as per UGC 2015 guidelines.

**Dr. T.R Ratre from SC-ST Cell** explained about the National Scholarship, Chhattisgarh State Scholarship and other various scholarships which are beneficial for SC- - ST, Minority and OBC students.

**Dr. Rajkumar Nagwanshee from the Proctorial board** said that students should follow the rules and regulations of the university, follow class timing, and behave well with teachers, staff and class friends. It was explained that the students are also expected to always carry the ID card with them, and in case of any problem, students can approach at any time. He also said Ranging is prohibited by UGC and students' involvement is not expected. Any unauthorised gathering, smoking or alcohol is strictly prohibited in the university campus.

Dr. Shailesh K. Dwivedi moderated the stage, Dr. Munshi Ram wrote the report, and **Prof. Budheswar Singraul** proposed vote of thanks.

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) वाणिज्य विभाग

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए बी.कॉम और एम.कॉम प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए छात्र प्रेरण कार्यक्रम पर एक रिपोर्ट।

वाणिज्य विभाग, जीजीवी, बिलासपुर ने बी.कॉम और एम.कॉम के नए छात्रों के लिए एक दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं गुरु घासीदास के दीप प्रज्वलित कर की गई।

**विभाग प्रमुख प्रोफेसर भुवना वेंकटरमन** ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति, स्कूल ऑफ स्टडीज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के डीन, इंडक्शन प्रोग्राम के सभी वक्ताओं, शिक्षकों और छात्रों का स्वागत किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अपने नए वातावरण में सहज महसूस कराना, एक स्वस्थ दैनिक दिनचर्या निर्धारित करना, संकाय और छात्रों के बीच मधुर संबंध बनाना, स्वयं, उनके आस-पास के लोगों और बड़े पैमाने पर समाज के प्रति संवेदनशीलता और समझ पैदा करना था।

**डीन प्रोफेसर अशोक मिश्रा** ने एनईपी रेगुलेशन 2020 के तहत माइनर-मेजर सब्जेक्ट्स, स्किल डेवलपमेंट और मेंटर-मेंटी रिश्तों के बारे में बात की।

**कुलसचिव प्रोफेसर मनीष श्रीवास्तव** ने कहा कि वाणिज्य विभाग वर्ष 1983 में विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही कार्यरत है, यहां से निकले कई छात्र देश-विदेश में विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। साथ ही कुलसचिव ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं से अपेक्षाएं व्यक्त कीं।

**कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल** ने छात्रों को वाणी की ताकत के बारे में बताया, इसका उपयोग कब, कहां और कितना करना चाहिए और उन्हें उद्यमी बनने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अगर कोई कॉमर्स का छात्र कंपनी एक्ट 2013 पढ़ता है तो उसे कंपनी बनाना आना चाहिए. यदि कोई छात्र सुरक्षा बाजार और पोर्टफोलियो प्रबंधन (एसएपीएम) के बारे में पढ़ता है, तो उसे पता होना चाहिए कि प्रतिभूति बाजार में पैसा कैसे निवेश किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों के साथ पैसे कैसे कमाए इस पर अपना अनुभव भी साझा किया. उन्होंने कहा कि किसी भी बिजनेस के लिए पूंजी से ज्यादा आपकी सोचने की क्षमता मायने रखती है। कुलपति ने व्यवसाय को नैतिक एवं ईमानदारी से करने पर अधिक जोर दिया ताकि दीर्घावधि में बाजार से लाभ कमाया जा सके।

**आईक्यूएसी से प्रोफेसर सीमा राय** ने मल्टीपल एंटी-एग्जिट, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कार्यक्रमों की अवधारणा को समझाया, जो एनईपी 2020 के अनुसार आवश्यक है।

**आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की प्रमुख प्रोफेसर अनुपमा सक्सेना** ने यूजीसी 2015 दिशानिर्देशों के अनुसार सभी छात्रों को किसी भी यौन उत्पीड़न के बारे में आगाह किया।

**एससी-एसटी सेल के डॉ. टी.आर.रात्रे** ने राष्ट्रीय छात्रवृत्ति, छत्तीसगढ़ राज्य छात्रवृत्ति और अन्य विभिन्न छात्रवृत्तियों के बारे में बताया जो एससी-एसटी, अल्पसंख्यक और ओबीसी छात्रों के लिए फायदेमंद हैं।

**प्रॉक्टोरियल बोर्ड के डॉ. राजकुमार नागवंशी** ने कहा कि छात्रों को विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करना चाहिए, कक्षा के समय का पालन करना चाहिए और शिक्षकों, कर्मचारियों और कक्षा मित्रों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। यह बताया गया कि छात्रों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे हमेशा अपने साथ आईडी कार्ड रखें, और किसी भी समस्या के मामले में छात्र किसी भी समय नियमानुसार संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रैगिंग यूजीसी द्वारा प्रतिबंधित है और छात्रों की इसमें भागीदारी अपेक्षित नहीं है। विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार का अनाधिकृत जमावड़ा, धूम्रपान या शराब पीना सख्त वर्जित है।

मंच का संचालन डॉ. शैलेश के.द्विवेदी ने किया, डॉ. मुंशी राम ने रिपोर्ट लिखी और **प्रो. बुद्धेश्वर सिंगरौल** ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

**Glimpse of the event**

**प्रोग्राम की झलक:**





Felicitation to alumni by the Honourable Vice Chancellor



